https://printo.it/pediatric-rheumatology/IN_HI/intro

फेमिलियिल मेडीट्रेनियिन फीवर

के संस्करण 2016

3. दैनिक जीवन

3.1 दैनिक जीवन कैसा होगा? इस बीमारी से बच्चे तथा माता-पिता का दैनिक जीवन कैसे प्रभावित होगा ?

बीमारी का पता चलने से पहले बच्चे तथा माता-पिता को काफी परेशानियाँ होती है। पेट, सीने तथा जोड़ो में तेज़ दर्द के कारण उन्हें बार-बार बच्चे को अस्पताल ले जाना पड़ता है। गलत निदान के कारण कभी कभी बच्चे की शल्य क्रिया भी की जा सकती है। बीमारी का ठीक से पता चल जाने के बाद घर वाले तथा बच्चा सामान्य जीवन बिता सकते हैं। कुछ तो यह भी भूल जाते हैं कि बच्चे को एफ एम एफ है लेकिन यह खतरनाक हो सकता है क्योंकि इससे पेंचीदगियां बढ़ जाएंगी और एमाइलोडोसिस का खतरा भी बढ़ जाता है। एक मात्र यह समस्या मनोवैज्ञानिक भी होती है। यह विचार कि जीवन भर इलाज कराने की ज़रूरत है, परेशानी की जड़ है। इस पर रोगी तथा माता-पिता को शिक्षित करके काबू पाया जा सकता है।

3.2 स्कूल के बारे में क्या होगा ?

बार-बार बीमारी का हमला होने से स्कूल जाने की समस्या हो सकती है। कोल्चीसिन इलाज शुरु होने के बाद यह कोई गंभीर बात नहीं रहती । बच्चे के शिक्षकों को बीमारी के बारे में बता देना चाहिए और यह भी कि यदि स्कूल में दौरा पड़े तो वे क्या करें।

3.3 खेल कूद के बारे में क्या कहते है ?

एफ एम एफ रोगी बच्चा यदि कोल्चीसिन दवा ले रहा है, तो वह जिस खेल में चाहे भाग ले सकता है। एक मात्र समस्या जोड़ों की लगातार सूजन से हो सकती है जिससे प्रभावित जोड़ों का इस्तेमाल कम करना पड़ेगा ।

3.4 खान पान की कोई पाबंदी ?

खाने पीने के बारे में कोई पाबंदी नहीं है।

3.5 मौसम के कारण क्या रोग पर कोई प्रभाव पड़ता है?

नहीं, बिल्कुल भी नहीं ।

3.6 क्या बच्चे को टीके लगाए जा सकते है ?

हाँ, बच्चे को टीके लगाए जा सकते हैं ।

3.7. यौन जीवन, गर्भधारण, परिवार नियोजन के बारे में भी बताइए ?

एफ एम एफ रोगी को कोल्चीसिन इलाज शुरु करने से पहले प्रजनन समस्याएँ होती है लेकिन

बाद में ऐसा नहीं होता। इलाज के दौरान शुक्राणु की मात्रा में कमी भी बहुत ही कम मरीज़ों में देखी गई है। गर्भधारण और स्तनपान के दौरान भी महिलाओं को दवा की सही मात्रा में खुराक लेनी चाहिए ।